09-30 09:38 PM

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ"रियल लाइफ स्टोरी"
मैं कु.शान्ताश्रीवास्तव एकसामाजिककार्यकर्त्ता वअधिवक्ता हूं।मेरे संघर्षपूर्ण जीवन की कहानी सन 1999 में माताजी के देहान्त के बाद शुरू हुई,अपनी पढ़ाई पूरी करने व स्वयंआत्म निर्भर बनने व समाज के लिए कुछ कर गुजरने की इच्छा से ओत प्रोत सन 1999 में ही एक सामाजिक संस्था के माध्यम से अपनी जन्मभूमि सेवरही जनपद कुशीनगर से उत्तर प्रदेश के अति पिछड़ा (दो नदियों के बीच बसा)बाढ़ क्षेत्र धनघटा में,150/ किराए के कमरे में रहने लगी तथा प्रतिदिन20 किमी. कंकरीली पथरीली सड़कों पर सायकिल चलाकर गांव गांव जाकर वैज्ञानिक ढंग से खेती करने के लिए प्रेरित करने लगी। सन 2005 में डास्प बंद हो जाने पर पॉकेट खर्च मिलना बंद हो गया तो जो कुछ पैसे मैं बचा कर रखी थी उन पैसों से मै विधि स्नातक की पढ़ाई पूरी की। सर्वप्रथम बार कौंसिल का रजिस्ट्रेशन कराकर स्थानीय तहसील धनघटा में प्रैक्टिस प्रारम्भ कर स्वयं आत्मनिर्भर हुई।

09-30 08:59 PM

गांव गांव में महिलाओं की दयनीय स्थिति को देख कर, सशक्तिकरण हेतु उन्हें जागरूक करना प्रारंभ की।महिलाओं को एक स्थान पर इकट्ठा करती उन्हें समझाती तथा कन्या शिक्षा/भ्रूण हत्या/लिंग भेद/पोलियो, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ आदि तमाम विषयों पर लड़कियों,महिलाओं को जागरूक करती। धनघटा में महिला महाविद्यालय में ग्रामीण इलाकों की सैकड़ों बेटियों,उन के माता पिता को उच्च शिक्षा हेतु प्रेरित की ।आज हमसे प्रेरित होकर तमाम लड़कियां उच्च शिक्षा ग्रहण कर रही है ।कन्या शिक्षा/लिंग भेद/बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ आदि के साथ ही महिलाओं को आत्म निर्भर बनाने व महिला सशक्तिकरण के लिए मुझे "जनपद विशिष्ट जन"के रूप सम्मानित किए जाने के साथ अनेकों बार आयुक्त महोदय,बस्ती मण्डल/ बस्ती/,जिलाधिकारी/मुख्य विकास अधिकारी/उपजिलाधिकारी महोदय के साथ 3

09-30 09:08 PM

बैंकों द्वारा,तमाम समाचार पत्रों तथा स्थानीय प्रतिष्ठित लोगों एवम् विद्यालय प्रबंधक द्वारा सम्मानित किया गया है । आज मै स्वयं अपने बल पर आत्म निर्भर हूँ। साथ ही ज़रूरतमंदों की सहायता भी करती हूं। बेसहारा लड़कियों, महिलाओं को नि:शुल्क कानूनी सलाह व मदद करती हूं। बेटी बचाओ अभियान एवम् महिला सशक्तिकरण तथा विभिन्न सामाजिक कार्यों में लगातार 20 वर्षों से अपना अमूल्य योगदान दे रहीं हूं। अनेकों प्रशस्ति पत्र व सम्मान मिलने से मेरा मनोबल बढ़ा है।

... कु. शान्ता श्री.